

डॉ. क्रेग कीनर, अधिनियम, व्याख्यान 17, अधिनियम 16-17

© 2024 क्रेग कीनर और टेड हिल्डेब्रांट

यह एक्ट्स की पुस्तक पर अपने शिक्षण में डॉ. क्रेग कीनर हैं। यह सत्र 17, अधिनियम अध्याय 16 और 17 है।

पिछले सत्र में, पॉल ने एक लड़की से एक आत्मा, एक पायथन आत्मा, एक बहुत शक्तिशाली, मंत्रमुग्ध, दिव्य आत्मा को बाहर निकाला, जिसका दास धारकों द्वारा शोषण किया जा रहा था।

और कभी-कभी कई संस्कृतियों और कई मंडलियों में, लोग इसे अति कर देते हैं और हर जगह राक्षसों को देखते हैं। तीसरी शताब्दी तक, वास्तव में, यह यहूदी धर्म में व्यापक था जहां कुछ रब्बियों ने कहा था कि यदि आप एक हाथ बाहर निकालते हैं, तो आप इसे एक हजार राक्षसों में डाल देते हैं। आपने अपना बायाँ हाथ बाहर निकाला, आपने इसे 10,000 राक्षसों में डाल दिया।

मृत सागर स्कॉल इस बारे में बात करते हैं कि कैसे प्रत्येक कार्य सत्य की भावना या त्रुटि की भावना से नियंत्रित होता है। हम इसे नए नियम में उस स्तर तक नहीं देखते हैं। लेकिन कभी-कभी कोई वास्तविक भावना होती है और उससे निपटना पड़ता है।

और पॉल ने वैसा ही किया। लेकिन वह इसके प्रति अनिच्छुक लग रहा था, शायद इसलिए क्योंकि वह देख सकता था कि अगर उसने इससे निपटा तो क्या हो सकता है। और हम पद 19 में देखते हैं, क्योंकि दासी के मालिक इस बात से परेशान हैं कि वह आध्यात्मिक बंधन से मुक्त हो गई है क्योंकि अब उन्हें उसके भाग्य-कथन से कोई लाभ नहीं है।

इसलिए, वे उन्हें मजिस्ट्रेट के सामने घसीटते हैं। अब, यदि आप किसी को अदालत में लाना चाहते हैं, तो आप उन्हें अदालत में आमंत्रित कर सकते हैं। लेकिन अगर वे उपस्थित नहीं हुए, तो आपको उन्हें अदालत में घसीटना होगा।

वे कोई मौका नहीं लेते। वे पॉल और सीलास को अदालत में घसीटते हैं। ल्यूक खुशी से यहां हम लोगों का हिस्सा नहीं है।

ल्यूक और तीमुथियुस को शायद इसमें नहीं घसीटा जाता, लेकिन पॉल और सिलास को घसीटा जाता है। और ध्यान दें कि वे उनके खिलाफ जो आरोप लगाने जा रहे हैं, वह क्या नहीं है, आप कौन सा आरोप कहने जा रहे हैं? क्या आप यह कहने जा रहे हैं, ओह, उन्होंने हमारी दासी को आत्माओं से मुक्त कराया? खैर, ऐसा कोई कानूनी आरोप नहीं था। वे कानूनी तौर पर कह सकते हैं, आपने हमारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया।

लेकिन हो सकता है कि वे उस केस को न जीत पाएं। इसलिए, वे सबसे निचले सामान्य विभाजक के पास जाते हैं और इन मजिस्ट्रेटों के सामने एक बहुत ही आधारहीन आरोप लगाते हैं। यहां

जिस शीर्षक मजिस्ट्रेट का उपयोग किया गया है, वह स्ट्रेटगोई, लैटिन डुओ विरी के लिए सबसे आम ग्रीक शीर्षक था।

ये फिलिप्पी के दो रोमन अधिकारी हैं। लैटिन में, यह प्राइटर होगा। अब, वे स्वयं निर्णय नहीं ले रहे हैं।

उनके आसपास लोगों की पूरी भीड़ है। और ये अधिकारी भीड़ को खुश रखना चाहेंगे। यह बाज़ार में किया जाता है, यह कहता है।

मुझे लगता है कि यह ग्रीक शब्द एगोरा है, लेकिन यह ग्रीक व्यावसायिक एगोरा नहीं है। यहाँ, यह फिलिप्पी में नजदीकी केंद्रीय अगोरा है, जिसकी खुदाई की गई है, और यह एक रोमन मंच के रूप में कार्य करता है। और इसलिए यहीं पर उनका परीक्षण होगा, शहर में वाणिज्यिक अगोरा में नहीं, बल्कि केंद्रीय अगोरा में।

यह 230 फीट गुणा 485 फीट या 70 मीटर गुणा 150 मीटर था। और वहां बहुत सारे लोग खड़े हो सकते थे। दरअसल, यह फिलिप्पी से होकर गुजरने वाली वाया इग्राटिया द्वारा काटा गया था।

तो, जो आरोप उनके सामने लाया गया है वह यह है, ओह, ये लोग यहूदी हैं, ऐसे रीति-रिवाज सिखाते हैं जो हमारे रोमन होने के कारण गैरकानूनी हैं। खैर, वे नहीं जानते। और वास्तव में, ल्यूक के दर्शकों को शायद पता न हो, हालाँकि उन्हें शायद कम से कम एक संकेत तो है क्योंकि पॉल का नाम पॉल है।

लोग नहीं जानते कि ये यहूदी और रोमी दोनों हैं। आज कभी-कभी आपके सामने ऐसी परिस्थितियाँ आती हैं जब लोग किसी के बारे में कुछ न कुछ धारणा बना लेते हैं। कोई व्यक्ति कक्षा में प्रवेश करता है और यह मान लेता है कि फलां व्यक्ति अपनी जातीयता या अपनी युवावस्था या किसी अन्य कारण से चौकीदार है, और यह कक्षा के पहले दिन के लिए उसका प्रोफेसर है या ऐसा ही कुछ।

आपके सामने शर्मनाक स्थितियाँ आ सकती हैं। मुझे वास्तव में यह पसंद आया जब छात्र सोचते थे कि मैं एक छात्र हूँ क्योंकि इससे मुझे युवा होने का एहसास होता है, लेकिन अब इसका अनुभव करने के लिए मुझे भी अपनी सफेद दाढ़ी काटनी होगी। लेकिन किसी भी मामले में, यहूदी-रोमन विरोधाभास है, और यह सामान्य प्राचीन यहूदी-विरोध को दर्शाता है, जो पुरातनता के कई हिस्सों में बहुत व्यापक है।

और क्लॉडियस का आदेश जिसका उल्लेख अध्याय 18 के श्लोक 2 में किया गया है, वास्तव में हाल ही का हो सकता है, जहां उसने कम से कम आधिकारिक तौर पर यहूदी समुदाय को रोम से निष्कासित कर दिया था। निश्चित रूप से, अलेक्जेंड्रिया में प्रमुख यहूदी-विरोधी, प्रमुख यहूदी-विरोधी, और कई अन्य स्थानों पर भी थे। खैर, फिलिप्पी एक रोमन उपनिवेश था, और यदि क्लॉडियस यहूदियों को रोम से निकाल सकता था, तो वे फिलिप्पी में भी सबसे आरामदायक स्थिति में नहीं होते क्योंकि वे कह सकते थे, ठीक है, उन्होंने रोम में ऐसा किया।

हमें वही करना चाहिए जो रोमन करते हैं क्योंकि हम एक रोमन उपनिवेश हैं। यहूदियों के बारे में रोमनों की मुख्य शिकायत यह थी कि वे लोगों का धर्म परिवर्तन करा रहे थे। खैर, पॉल यहाँ क्या करने आया है? लोगों का धर्मपरिवर्तन करना।

अब, ईसाई दृष्टिकोण से, ऐसा लगता है कि लोगों को इसकी आवश्यकता है। यह कुछ ऐसा है जो हमें उन्हें देना होगा। यदि किसी इमारत में आग लगी है, तो हम उसे इमारत से बाहर निकालने के लिए अपनी जान जोखिम में डाल सकते हैं।

इस मामले को छोड़कर, यह कोई ऐसी चीज़ नहीं है जिसे हम उन्हें आग से बाहर खींच सकें। हम बस उन्हें अवसर दे सकते हैं, कम से कम उन्हें आग के बारे में चेतावनी दे सकते हैं। लेकिन किसी भी मामले में, कुछ अन्य लोगों द्वारा इसे हमेशा सकारात्मक रूप से नहीं देखा जाता है।

कभी-कभी यह बहुत अनुचित तरीकों से किया जाता है, लेकिन इसे हमेशा अन्य लोगों द्वारा उचित रूप से नहीं देखा जाता है, भले ही हम इसे सबसे सौम्य और उदार और दयालु और विचारशील तरीके से करते हैं क्योंकि हम लोगों की परवाह करते हैं। वहाँ बहुत अधिक ज़ेनोफ़ोबिया और अजनबियों का डर था, और आप इसे आज शायद दुनिया के अधिकांश हिस्सों में देखते हैं। आपके पास उनमें से कुछ है, कुछ शहरी क्षेत्रों को छोड़कर, कभी-कभी वहाँ भी।

फिलिपी में कई मूल गैर-रोमन लोग रहते थे, जो नागरिक नहीं थे, लेकिन वे वहाँ रहते थे। वे निवासी थे, लेकिन वहाँ बहुत कम यहूदी थे। इसलिए यहूदियों ने एक आसान लक्ष्य बनाया।

पूर्व से अन्य आप्रवासी वहाँ बस गए थे, और इससे सामान्य तौर पर ज़ेनोफ़ोबिया बढ़ गया था। और फिर, यहूदियों ने एक विशेष रूप से आसान लक्ष्य बनाया। फ़िलिपी बहुत रोमनवादी था और उसे रोमन विरासत पर बहुत गर्व था।

तो यहूदी, रोमन नहीं, कुछ ऐसा था जो वास्तव में भीड़ को उत्तेजित करेगा। इसके 80% से अधिक शिलालेख लैटिन में हैं, भले ही यह ग्रीस के उत्तर-पूर्व में मैसेडोनिया में है। इसके नागरिकों को रोमन अधिकार प्राप्त थे।

वे रोमन कानून का पालन करते थे। उन्हें रोम को कर से छूट दी गई थी। उनका स्थानीय संविधान रोम के संविधान का अनुसरण करता था।

इसलिए, वे पूरी तरह से अपने रोमन स्वभाव में थे। श्लोक 22 में, उन्हें निर्वस्त्र किया गया और पीटा गया। खैर, गैर-नागरिकों को मुकदमे से पहले पीटा जा सकता है ताकि सबूत सुरक्षित किया जा सके कि पिटाई, जब इसे आधिकारिक शब्दों में इस्तेमाल किया जाता था, को जबरदस्ती कहा जाता था।

जो लोग निम्न वर्ग के थे उनके पास बहुत कम कानूनी सुरक्षा थी। उन्हें कैसे पीटा जाएगा? खैर, यह कहता है कि उन्हें डंडों से पीटा गया। पॉल ने अपने पत्रों में इस बात का उल्लेख किया है कि कभी-कभी उसे डंडों से पीटा जाता था।

और यह एकमात्र ऐसा है जिसका उल्लेख ल्यूक ने किया है। ल्यूक आपको लगभग वह सब कुछ नहीं बताता जो पॉल के साथ हुआ, जो उसने सुसमाचार के लिए सहा। लेकिन छड़ें लिक्टर्स की छड़ें होंगी।

लिक्टर्स रोमन मजिस्ट्रेट के परिचारक थे। वे बंडलों में छड़ें ले जाते थे, और इन छड़ों का उपयोग इस तरह की परिस्थितियों के लिए किया जा सकता था। सार्वजनिक पिटाई या अन्य प्रकार के सार्वजनिक अनुशासन से पहले कपड़े उतारना मानक था।

और सार्वजनिक रूप से निर्वस्त्र करना और सार्वजनिक पिटाई दोनों ही अपमानजनक थे। यह विशेष रूप से यहूदियों और पश्चिमी एशिया के लोगों के लिए अपमानजनक होगा, जो नग्न देखे जाने को लेकर बहुत संवेदनशील थे, मध्य पूर्व वगैरह, नग्न देखे जाने को लेकर बहुत संवेदनशील थे। इसे अपमानजनक माना जाता है।

इसीलिए 1 थिस्सलुनिकियों 2 में जब पॉल फिलिप्पी में उसने जो कुछ सहा उसके बारे में बात करता है, तो वह इसे अपमानजनक बताता है। तो, श्लोक 23 से 34 में, हम जेल मंत्रालय के बारे में पढ़ने जा रहे हैं। श्लोक 23 में, जेल निदेशक को उन्हें बहुत सुरक्षित रखने का निर्देश दिया गया है।

खैर, वह उन्हें बहुत सुरक्षित रखता है। उन्हें भीतरी कारागार में डाल देता है, जहाँ कोई रोशनी नहीं थी। वह उन्हें स्टॉक से सुरक्षित करने जा रहा है।

मेरा मतलब है, किसी भी तरह से वे आंतरिक जेल से बच नहीं पाएंगे, लेकिन स्टॉक इसे वास्तव में कठिन बना देंगे। जेल निदेशक, कुछ टिप्पणीकारों ने कहा है कि वह एक अनुभवी व्यक्ति थे क्योंकि फिलिप्पी एक रोमन उपनिवेश था। लेकिन फिलिप्पी कई पीढ़ियों से रोमन उपनिवेश रहा था।

शुरुआत में ही वहां दिग्गजों को बसाया गया था। तो, वह दिग्गजों का वंशज हो सकता है, लेकिन संभवतः वह खुद एक अनुभवी नहीं है। वह सिर्फ जेल निदेशक हैं।

लेकिन किसी भी मामले में, ये स्थान जहां लोगों को कैद किया गया था, प्राचीन काल में पुनर्वास के स्थान नहीं थे। वे अपनी गंदगी और शौचालय सुविधाओं की कमी के लिए जाने जाते थे। यदि आप स्टॉक में होते तो आप वहीं चले जाते जहां आप थे, आपको भी संभवतः इसमें बैठना होगा जब तक कि कोई आकर आपके लिए इसे साफ न कर दे।

उस तरह की गंदगी, तुम्हें पीटा गया है, तुम्हें घाव मिलेंगे। आपके घाव आपके चारों ओर मौजूद गंदगी से संक्रमित हो सकते हैं। फर्श ठंडे होंगे।

यदि आप फर्श पर जकड़े हुए हैं, तो और भी बुरा। वह श्लोक 23 है। श्लोक 24, लकड़ी के तने को फर्श पर बांधा जाएगा।

एक स्टॉक कुछ ऐसा था जिसमें वे आपको डाल देंगे और आप उसे हिला नहीं सकते थे, सिवाय इसके कि वे लेग स्टॉक को विभिन्न तरीकों से स्थानांतरित कर सकते थे जो आपके पैरों को अलग-अलग तरीकों से स्थानांतरित करने में सक्षम होंगे जो आपको और भी अधिक यातना दे सकते हैं यदि वे ऐसा करना चाहते हैं। स्टॉक में अतिरिक्त छेद थे ताकि यदि वे आपके साथ ऐसा करना चाहें तो पैरों को दर्दनाक स्थिति में मजबूर किया जा सके। इसका उपयोग निम्न-स्थिति वाले लोगों और निश्चित रूप से ऐसे लोगों के लिए किया जाता था जो रोमन नागरिक नहीं थे।

1625 में, यहूदी लोगों द्वारा पीड़ा और शर्म के बीच ईश्वर की महिमा करने की क्षमता की प्रशंसा की गई। ग्रीको-रोमन दार्शनिकों ने भी एक स्थिति में संतुष्ट और आभारी होने की बुद्धिमत्ता की प्रशंसा की, यह पहचानते हुए कि आमतौर पर दार्शनिकों के लिए यह था, ठीक है, हम इसे वैसे भी नियंत्रित नहीं कर सकते हैं। एक चीज़ जिसे हम नियंत्रित कर सकते हैं वह है हमारा रवैया।

खैर, यह सोचने का एक लाभदायक तरीका था, लेकिन यहूदी धर्म में, यह ऐसा था जैसे हम मानते हैं कि ईश्वर संप्रभु है और ईश्वर दयालु है, इसलिए हम अपनी स्थिति के लिए उसकी प्रशंसा करने जा रहे हैं। और वे यही करते हैं। और वे इसे आधी रात को कर रहे हैं।

अब, यदि आप एडोनीराम जुडसन की कहानियों के बारे में जानते हैं जब उन्हें और कुछ अन्य लोगों को जेल में डाल दिया गया था, तो कोई था जो पागल था और रात के दौरान गा रहा था। और वे इससे बहुत खुश नहीं थे क्योंकि उनके लिए नींद लेना काफी कठिन था। लेकिन यह हमें यहां कैदियों की प्रतिक्रिया नहीं बताता है, लेकिन प्रतिक्रिया हमारे अनुमान से बेहतर हो सकती है क्योंकि अन्य कैदी भाग नहीं पाते हैं और पॉल उन सभी के लिए कुछ छंदों के बाद बोलने में सक्षम है, जो बताता है हमें लगता है कि शायद वे पॉल को सुन रहे थे।

शायद उनमें से कुछ परिवर्तित हो गए थे या निश्चित रूप से वहां पॉल के मंत्रालय से प्रभावित थे। लेकिन किसी भी मामले में, आधी रात को गाना, आमतौर पर, वह व्यक्ति की नींद के बीच का समय होता है। वह यहूदी धर्म में प्रार्थना का सामान्य समय नहीं था।

लेकिन यह दिलचस्प है कि भजन 119 श्लोक 61 और 62 आधी रात को सताए जाने और भगवान की स्तुति करने के बारे में बात करते हैं। और वो उसे पूरा भी कर रहे हैं। वे ऐसा कर रहे हैं।

खैर, श्लोक 26 में, अध्याय चार की तरह, वह स्थान हिल गया जहां वे प्रार्थना करने के बाद इकट्ठे हुए थे। खैर, श्लोक 26 में, यह स्थान हिल गया है। इसकी कोई गारंटी नहीं है कि सिर्फ इसलिए कि आप प्रार्थना करते हैं, आपमें भूकंप आने वाला है।

प्रार्थनापूर्वक नहीं। लेकिन किसी भी मामले में, एक यहूदी कहानी थी। स्यूडो-फिलो की बाइबिल पुरावशेषों, 617 में एक भूकंप से इब्राहीम का उद्धार हुआ था।

तो, इस तरह की चीज़ों के बारे में यहूदी कहानियाँ थीं। हालाँकि अधिक व्यापक रूप से, प्राचीन काल में अधिकांश लोग भूकंप को दैवीय गतिविधि के रूप में पहचानते थे, अक्सर निर्णय के रूप में। यूनानियों ने अक्सर इसका श्रेय पोसीडॉन को दिया, जिन्हें वे पृथ्वी-शेकर, साथ ही समुद्र के देवता भी कहते थे।

इसके अलावा, फ़िलिपी एक भूकंप-प्रवण क्षेत्र था। मेरा मतलब है, आपके पास उस क्षेत्र में भूकंप हैं, लेकिन आम तौर पर आपके पास ऐसे भूकंप नहीं होते हैं जो इमारत को गिराते नहीं हैं, बल्कि बस आपके बंधन को तोड़ देते हैं। मेरा मतलब है, ऐसा हो सकता है, लेकिन क्या यह महज एक संयोग है कि ऐसा होता है? क्या यह महज एक संयोग है कि जब इस्राएली वहां पहुंचेंगे तो समुद्र अलग हो जाएगा? इस तरह की चीजें शायद संयोग नहीं हैं, भले ही निर्गमन 14 कहता है, भगवान ने रात में समुद्र को वापस उड़ाने के लिए एक मजबूत पूर्वी हवा का इस्तेमाल किया, जहां आप कह सकते हैं, ठीक है, हवा ने ऐसा किया।

हवा कितनी बार ऐसा करती है? किसी भी स्थिति में, यह स्पष्ट रूप से एक दैवीय गतिविधि है। यह भगवान की गतिविधि है। किसी को चोट नहीं लगती, लेकिन उनके सारे बंधन टूट जाते हैं।

और हम भूकंप के कारण जेल से भागने की घटनाओं के बारे में जानते हैं। मुझे नहीं पता कि उनके दौरान किसी को चोट नहीं आई। वास्तव में, मुझे लगता है कि लोगों को चोट लगी है, लेकिन 2011 में तुर्की, 2013 में हैती और 2013 में इंडोनेशिया में भूकंप के दौरान जेल से भाग निकले थे।

तो, इस प्रकार की चीजें होती हैं, लेकिन यह विशेष रूप से दैवीय गतिविधि थी, इस मामले में अधिनियम 16 में, और विशेष रूप से डिज़ाइन किया गया था ताकि किसी को चोट न पहुंचे। कई अन्य लोग, प्रेरितों के काम में पहले, आपने पतरस और अन्य प्रेरितों को प्रेरितों के काम अध्याय पाँच में मुक्त कर दिया है। प्रेरितों के काम अध्याय 12 में प्रभु के दूत द्वारा पीटर को फिर से मुक्त कर दिया गया है।

खैर, अब पॉल भी मुक्त हो गया है, लेकिन एक अंतर है। पीटर को मुक्त कर दिया गया और गार्डों को मार डाला गया। पॉल मुक्त हो जाता है, लेकिन वह नहीं छोड़ने का विकल्प चुनता है।

बेशक, उसकी स्थिति पीटर जितनी घातक नहीं थी। पीटर को जाने के लिए कहा गया था और वह चला गया, लेकिन इस मामले में, यह और भी बेहतर काम करेगा। अध्याय 16, श्लोक 27 में विफल आत्महत्या के साथ, कैदियों को भागने देने के लिए फांसी की सज़ा थी, खासकर मृत्यु के मामलों में।

अब, यह शायद कोई बड़ा मामला नहीं था, लेकिन उन्हें सुरक्षित रूप से उनकी रक्षा करने के लिए कहा गया था। और जहाँ तक उसका सवाल है, सभी कैदी भाग गये होंगे। वह जाग गया है, जरूरी नहीं कि वह ड्यूटी पर सो रहा हो।

हो सकता है वह बिस्तर पर हो। वह संभवतः मुख्य जेलर था। उसके पास नौकर हैं जो उसके लिए काम करते हैं, शायद नागरिक नौकर।

तो, शब्द उसे सूचित किया जाता है। वह अंदर जाने के लिए रोशनी मांगता है, और वह वास्तव में जेल के भीतरी हिस्से में नहीं जाता है, बल्कि वह उसके बाहर चला जाता है। वह देखता है कि

सभी दरवाजे टूट गए हैं, और उसे एहसास होता है कि कैदी भाग सकते थे, और जाहिर तौर पर भाग गए होंगे।

और यह विचार उसे गार्डों से मिला, जो शायद सो रहे थे, जैसा कि अक्सर होता है। लेकिन किसी भी मामले में, रोमन लोग आत्महत्या को फाँसी का एक अच्छा विकल्प मानते थे। वास्तव में, टैसीटस का कहना है कि मेसलीना, जिसे फाँसी दी जानी थी, कायर थी।

वह अपनी तलवार के बल गिरने को तैयार नहीं थी, इसलिए उन्हें इसमें उसकी मदद करनी पड़ी। लेकिन किसी भी मामले में, इसे आम तौर पर एक अच्छा विकल्प माना जाता था। जोसेफस, जो प्रवासी दर्शकों के लिए लिख रहे हैं, कभी-कभी इसे सम्मानजनक भी बताते हैं।

लेकिन यह कुछ चीज़ों का एक अच्छा विकल्प था, अन्य चीज़ों का नहीं। यदि यह केवल कुछ चीज़ें थीं, तो इसे तुच्छ माना जाता था। इसे कायरतापूर्ण माना जाता था।

खैर, ईसाई धर्मशास्त्र, जोसीफस का नहीं, बल्कि अधिकांश यहूदी धर्मशास्त्र का अनुसरण करता है, ने ऐतिहासिक रूप से आत्महत्या को खारिज कर दिया है। और ईसाई धर्मशास्त्र ने बहुत दृढ़ता से ऐसा किया है, यह कहते हुए कि केवल ईश्वर को ही जीवन लेने का अधिकार है। हर किसी ने इसे अवसाद या ऐसी किसी भी चीज़ के समाधान के रूप में अस्वीकार कर दिया होगा जिससे कोई उबर सकता है।

इसलिए, मैं सिर्फ यह कह रहा हूँ कि आप यह नहीं समझ सकते कि कुछ लोग कुछ परिस्थितियों में इस ओर क्यों प्रेरित होते हैं, बल्कि यह कहना चाहता हूँ कि कभी-कभी यह समय से पहले भागने जैसा होता है, क्योंकि भगवान के पास अभी भी आपके जीवन के लिए एक योजना है। मैं, मैं और मेरे जानने वाले कुछ लोग गंभीर पीड़ा से गुजरे हैं और खुश हैं कि हम इससे गुजरे और यह देखने के लिए जीए कि भगवान के पास हमारे जीवन के लिए एक बेहतर योजना थी, हमारे जीवन के लिए एक बेहतर उद्देश्य था। तो यह एक भ्रमण है जो एक अलग विषय पर हो रहा है।

लेकिन किसी भी मामले में, यह आदमी तलवार पर गिरने के लिए तैयार था और पॉल ने उसे ऐसा न करने के लिए प्रोत्साहित किया। रुको, ऐसा मत करो. हम सभी यहां हैं और वह हर किसी के लिए बोल सकता है और कोई भी शिकायत नहीं करता है और कहता है, नहीं, हमने फैसला किया है, हम भागना चाहते हैं।

पॉल ने अपना प्रवास बनाया या ऐसा ही कुछ। तो, श्लोक 30, वह दौड़ता है, उनके सामने गिर जाता है, और कहता है, श्रीमान, ठीक है, जब आप किसी को सीधे संबोधित कर रहे होते हैं तो कुरियोस का मतलब भगवान होता है, कुरिया। इसका मतलब सर हो सकता है, या इसका मतलब भगवान हो सकता है।

तुम्हें पता नहीं। लेकिन याद रखें, वे सच्चे भगवान का प्रचार कर रहे हैं। और इसलिए, पॉल ने पद 31 में उसे सही किया।

नहीं, प्रभु यीशु पर विश्वास करो और तुम बच जाओगे, सच्चे प्रभु, सच्चे बुद्धिमान। तो, वह कहता है, श्रीमान, मुझे बचने के लिए क्या करना चाहिए? हमने पहले इसका संक्षेप में उल्लेख किया था जब हमने इस बारे में बात की थी कि कैसे यह प्रश्न अलग-अलग तरीकों से सामने आता है, ल्यूक अधिनियमों के विभिन्न हिस्सों में, ल्यूक 18 में अमीर शासक के साथ, अधिनियम अध्याय दो में पेंटेकोस्ट की भीड़ के साथ। पॉल, पूछ नहीं रहा है, एक प्रश्न के रूप में काफी हद तक तैयार कर रहा है, लेकिन प्रेरितों के काम अध्याय नौ में, उसे बताया गया है कि उसे क्या करना चाहिए।

तो, वह कहता है, मैं कैसे बच सकता हूँ? और जिस तरह से उसे बचाया जा सकता है वह प्रभु यीशु पर निर्भर रहना है। जेलर ने गुलाम की घोषणा सुन ली थी। वे हमें मुक्ति का मार्ग बता रहे हैं।

तो अब वह जानना चाहता है कि कैसे बचाया जाए। खैर, उन्हें बचाया जा सकता है। उसे बचाया जा सकता है।

यदि हम यीशु पर भरोसा रखें तो हम सभी बच सकते हैं। आपको और आपके परिवार को बचाया जा सकता है, यदि वे यीशु पर विश्वास करते हैं, तो उन्हें भी बचाया जा सकता है। इसलिए, पद 31 और 32 में, रोमियों ने अपेक्षा की कि पूरा घर घर के मुखिया के धर्म का पालन करेगा।

उस संस्कृति में, वह पति था। वे यह भी अपेक्षा करते थे कि मुखिया अपने परिवार को रोमन देवताओं की पूजा की ओर ले जाए। रोमन उपनिवेश फिलिप्पी में यह एक महत्वपूर्ण बात होगी।

लेकिन इसके बजाय, यह आदमी उन्हें घर आमंत्रित करने जा रहा है। श्लोक 33 और 34, उसने उन्हें धोया और फिर उन्होंने उसे बपतिस्मा के पानी से धोया, जैसा कि जॉन क्रिसस्टॉम ने बहुत पहले बहुत ही अपमानजनक तरीके से बताया था, लेकिन मुझे लगता है कि यह यहाँ पाठ में है। वह उनके घावों को धोता है और वे उसे बपतिस्मे के पानी से धोते हैं।

अब, उन्होंने ऐसा कहा कि क्या होगा? खैर, यह एक अच्छा प्रश्न है। ऐसी जगहें थीं जहां वे जा सकते थे, सार्वजनिक फव्वारे थे, और फिलिप्पी में बहुत सी जगहें थीं जहां आपको पानी मिल सकता था, लेकिन वह शायद उन्हें जेल के बाहर, साथ ही शायद अपने घर के बाहर भी ले जा रहा था। हो सकता है कि उसके आंगन में एक फव्वारा हो, लेकिन अगर उसके पास एक सामान्य रोमन घर होता, अगर वह अच्छी तरह से होता, तो उसके पास एक इम्प्लुवियम होता, जो मुझे लगता है कि मैंने अपनी टिप्पणी में उल्लेख करने की अपेक्षा की, लेकिन मैं हमेशा सीखता हूँ नयी चीज़ें।

यह अभी मेरे मन में आया। उसके आलिंद में एक इम्प्लुवियम और फिर पानी का एक पूल, जो रोमन घरों के डिजाइन का हिस्सा था। लेकिन अगर वह उन्हें अपने घर के बाहर ले गया तो किसी ने देख लिया तो मुसीबत में पड़ सकता था।

वहाँ रात के पहरेदार थे, लेकिन किसी भी स्थिति में, अधिकांश लोग तब तक सो चुके थे, शायद भूकंप के बावजूद, यह वास्तव में स्थानीय था। लेकिन वैसे भी, 16:20 और 21 को देखते हुए, जेलर को यहां बहुत परेशानी होने का जोखिम है, और विशेष रूप से तब जब उसे उन्हें सुरक्षित रूप से संरक्षित करने के लिए कहा गया हो। जोसेफस में, हमने उस समय के बारे में पढ़ा जब हेरोदेस अग्रिप्पा प्रथम वास्तव में गयुस कैलीगुला का समर्थन करने के लिए मुसीबत में था, उसने

कहा कि वह चाहता था कि वह टिबेरियस के बजाय राजा होता क्योंकि उसे लगा कि टिबेरियस मर गया था, लेकिन टिबेरियस अभी मरा नहीं था, और इसलिए उसे डाल दिया गया था जेल में।

और जेलर वास्तव में उनके प्रति अच्छा व्यवहार नहीं कर रहा था, सूबेदार जो प्रभारी था। लेकिन तभी सूबेदार को खबर मिली कि टिबेरियस की मृत्यु हो गई है, और गयुस कैलीगुला अगला सम्राट बनने जा रहा है। आह, ठीक है, उन्होंने कहा, आह, यह आदमी अगले सम्राट के साथ अच्छा व्यवहार करेगा।

तो, वह वास्तव में अग्रिप्पा के प्रति अच्छा है, और वह उसके साथ भोजन करता है, भले ही वह जेलर और सूबेदार है, वह अग्रिप्पा के लिए अच्छा है। और फिर खबर आती है, नहीं, वास्तव में, अफवाह गलत थी, टिबेरियस मरा नहीं है। खैर, वह तुरंत खुद को अग्रिप्पा से अलग कर लेता है और खुद को दूर कर लेता है, और उम्मीद करता है कि किसी को पता न चले कि उसने अग्रिप्पा से या किसी और चीज से बात की है।

और फिर खबर वापस आती है, अरे हाँ, टिबेरियस आखिरकार मर गया था। इसलिए, उसने वह सारा एहसान खो दिया जो उसे मिलना चाहिए था। किसी कैदी के साथ खाना खाना बहुत खतरनाक था।

यह पूरी तरह से प्रोटोकॉल का उल्लंघन था और इसके लिए वह गंभीर संकट में पड़ सकते थे। इसलिए, जब हम कहते हैं, ठीक है, आप जानते हैं, अन्य लोगों को पश्चाताप करने के लिए कहा गया था, और उनसे केवल प्रभु यीशु पर विश्वास करने के लिए कहा गया था। खैर, ध्यान रखें कि प्रभु यीशु पर विश्वास करने के कुछ निहितार्थ हैं।

यदि आप वास्तव में यीशु में विश्वास करते हैं, तो ऐसा नहीं है कि, ओह हाँ, मैं उस पर उसी तरह विश्वास करता हूँ जैसे मैं विश्वास करता हूँ कि सिकंदर महान जीवित थे, या कि माओ रहते थे, या कि कोई अन्य प्रसिद्ध व्यक्ति रहते थे, स्टालिन रहते थे, या चर्चिल या रूज़वेल्ट रहते थे। रहते थे. किसी भी मामले में, यहाँ उस तरह के विश्वास की बात नहीं की जा रही है। हम उद्धार के लिए उस पर निर्भर हैं, और वह हमें हमारे पापों से बचाता है।

वह हमें नया जीवन देता है। अब, हम वह कमाई नहीं करते. यह ईश्वर का उपहार है, लेकिन जब हम ईश्वर के उपहार को आमंत्रित करते हैं, तो हम उसे हमें बदलने के लिए आमंत्रित कर रहे हैं।

हम हो सकते हैं, ठीक है, जरूरी नहीं कि हम तुरंत ही बन जाएं, हम तुरंत वह सब नहीं बन जाते जो हम होंगे, लेकिन हमने भगवान को हमारे जीवन में काम करने के लिए आमंत्रित किया है। वह, और हम पहचानते हैं कि हमारा भगवान कौन होगा। हमने ईश्वर के विरुद्ध होने से लेकर ईश्वर के पक्ष में होने तक, यह पहचानने में कि वह हमारे जीवन का भगवान है, पक्ष बदल लिया है।

तो, किसी भी मामले में, यह आदमी, कुछ भी करने को तैयार है। याद रखें कि लूका अध्याय 10 में क्या कहा गया था, यदि वे तुम्हें ग्रहण करते हैं, तो वे मुझे भी ग्रहण करते हैं। सुसमाचार के एजेंटों का स्वागत और सत्कार करना।

उन्हें तुम्हें खिलाने दो. वे तुम्हें रहने के लिए जगह दें। खैर, वह उनका अपने घर में स्वागत करता है।

वह उन्हें खाना खिलाता है. वह उन्हें सच्चे भगवान के एजेंट के रूप में प्राप्त कर रहा है, भले ही यह उसके लिए बहुत महंगा हो सकता है। लेकिन यह रात का समय है और वे उसे परेशानी में डालने की कोशिश नहीं कर रहे हैं।

इसलिए, वे बाद में वापस जेल जा रहे हैं। लेकिन साथ ही, यह कुछ गंभीर बात है जो वे भी करते हैं, क्योंकि वह उन्हें खाना तो खिलाता है, लेकिन वह बाहर जाकर कोषेर भोजन नहीं ले सकता। मेरा मतलब है, वह शुरू से ही यहूदी नहीं है।

इसलिए, उनके लिए उनके साथ टेबल फेलोशिप रखना एक और बाधा को पार करने जैसा है। यह टेबल फ़ेलोशिप फिर से दिखाती है, इन अन्यजातियों का उनका स्वागत, इस तरह से भी जो उनके सांस्कृतिक स्वाद आदि के मामले में उनके लिए महंगा हो सकता है। खैर, ऐसा नहीं है कि वह उन्हें सूअर का मांस परोसने जा रहा है।

मेरा मतलब है, वह इतनी दूर तक नहीं जाएगा, लेकिन यह कोषेर-तैयार भोजन नहीं होगा। तो, श्लोक 35 और 36 में, अधिकारी अगली सुबह उनके पास क्यों आते हैं और कहते हैं, अब आप जा सकते हैं? खैर, शायद भूकंप उनके लिए एक संकेत था। अगर ऐसा कहीं और होता है तो कई बार लोग उसे गंभीरता से लेते हैं।

वह एक शगुन हो सकता है. और हो सकता है कि इसका हमारे कल के किसी निर्णय से कुछ लेना-देना हो। संभवतः.

हालाँकि भूकंप अन्य अवसरों पर भी आए हैं, और जेल के साथ क्या हुआ, इसकी रिपोर्ट उन्हें मिल भी सकती है और नहीं भी। लेकिन हो सकता है उन्हें यह मिल गया हो. जेलर ने सोचा होगा कि उन्हें बता देना एक अच्छा विचार होगा।

लेकिन यह भी संभव है कि यह धनी लिडिया की परदे के पीछे की हिमायत के कारण था, हालाँकि वह मूल निवासी नहीं थी। वह वहां रहने वाली रोमन नागरिक नहीं थी. संभवतः वह थुआतीरा की थी।

वह एक बिजनेस एजेंट थी, इसलिए उसे उतना दर्जा नहीं मिलेगा। लेकिन हो सकता है कि उसके पास उन्हें मनाने के लिए पैसे हों। एक बात है जो ये राजनेता भीड़ के सामने करते हैं, और यह दूसरी बात है अगर लोग पर्दे के पीछे निजी तौर पर बातचीत करते हैं।

या हो सकता है कि उन्हें बस यह महसूस हुआ हो कि सार्वजनिक अपमान को चेतावनी के रूप में पर्याप्त माना गया था, और वे उसे उसके बाद जाने के लिए कह सकते थे। हालाँकि, अधिकारी इस बात से अनभिज्ञ थे कि उन्होंने वास्तव में रोमन नागरिकों को पीटा था। और जबकि पॉल और

सीलास ने यह नहीं सोचा होगा कि इससे कोई फर्क पड़ेगा, जेलर ने उन्हें सूचित किया होगा, नहीं, फिलिप्पी में, हम रोमन नागरिकता को काफी गंभीरता से लेते हैं, और इससे फर्क पड़ता।

या हो सकता है कि पॉल ने अभी निर्णय लिया हो, ठीक है, मैं इसके बाद तक इंतजार करूंगा, उन्हें बाद में बताऊंगा, ताकि वे मुझे परेशानी में डालें इसके बजाय मैं उन्हें परेशानी में डालूंगा। किसी भी मामले में, कुछ लोग सोचते हैं कि वह बस चिल्लाया था और भीड़ इतनी तेज़ थी कि वे उसे सुन नहीं सके। लेकिन कई बार अधिकारी इसे नजरअंदाज कर देते हैं।

प्रांतों में रोमन नागरिकता बहुत ऊंचे दर्जे का प्रतीक थी, विशेषकर पूर्वी प्रांतों में जहां अभी तक बहुत से लोगों के पास रोमन नागरिकता नहीं थी। यदि पॉल और सिलास के पास नागरिकता के दस्तावेज़ नहीं थे, जो शायद उनके पास नहीं थे, कम से कम जब उन्हें गिरफ्तार किया गया था, तो यह टार्सस में पॉल के लिए रिकॉर्ड में होगा। तो, आप जानते हैं, लोग इसे जांचने के लिए भेज सकते हैं।

लेकिन इस बीच, आपको उनकी बात माननी होगी। क़ानून को यही चाहिए था. नागरिकता का झूठा दावा करना एक बड़ा अपराध था।

इसलिए, यदि आप रिहा होने वाले हैं, तो संभावना है कि आप नागरिकता का झूठा दावा नहीं करेंगे और जब उन्हें पता चलेगा कि आप नागरिक नहीं थे, तो उन्हें फांसी दिए जाने का जोखिम नहीं होगा। पॉल के परिवार को संभवतः मुक्त रोमन दासों के वंशज के रूप में नागरिकता प्राप्त हुई। मेरा मानना है कि मैंने पहले उल्लेख किया था कि पोम्पी, दूसरी शताब्दी में रोमन जनरल, क्षमा करें, पहली शताब्दी ईसा पूर्व, कई यहूदियों को गुलाम के रूप में रोम ले गया था।

रोम में अन्य यहूदियों ने अपना धन एकत्र किया, उन्होंने अपनी स्वतंत्रता खरीदी, और रोमन नागरिकों के मुक्त दास के रूप में, ये यहूदी लोग स्वयं रोमन नागरिक बन गए। इसलिए, रोम में बड़ी संख्या में यहूदी रोमन नागरिक रहते थे। उनमें से कई ने रोम छोड़ दिया, रोमन दुनिया में कहीं और बस गए, या देर-सबेर यहूदिया वापस चले गए, जैसा कि हम अधिनियमों के अध्याय 6 और श्लोक 9 में देखते हैं। लिबर्टिनी में से कुछ अलग-अलग जगहों पर बस गए और फिर यरूशलेम आ गए।

खैर, पॉल का परिवार संभवतः मुक्त दासों का वंशज था। और वैसे भी, पीढ़ियों से, वे रोमन नागरिक रहे हैं। इसलिए, जूलियन कानून ने बंधन में बंधने, जंजीरों में डालने, निश्चित रूप से शेरों में डालने, या बिना परीक्षण के रोमन नागरिकों को पीटने से मना किया।

शायद जेलर उन्हें सूचित करेगा कि फिलिप्पी में नागरिकता को गंभीरता से लिया जाता है और अब वे इस पर विचार करने जा रहे हैं। खैर, पॉल की नागरिकता पर कुछ आपत्तियां उठाई गई हैं। ये उन लोगों की आपत्तियां हैं जो अधिनियमों के बारे में अधिक संशयवादी हैं।

खैर, वे कहते हैं, पॉल कभी भी अपनी नागरिकता का उल्लेख नहीं करता है। खैर, मौन से तर्क कितना मजबूत है? यह बहुत मजबूत तर्क नहीं है, क्योंकि पॉल रोमन नागरिकता को कोई आंतरिक महत्व नहीं देता है, यहां तक कि अधिनियम की पुस्तक में भी। मजबूर होने के अलावा

पॉल शेखी बघारने से बचता है, और जब वह शेखी बघारता है, तो वह सुसमाचार के लिए अपने कष्टों के बारे में शेखी बघारता है।

वह अपनी रोमन नागरिकता के बारे में घमंड नहीं करेगा। यह उसके विपरीत होगा जो वह 2 कुरिन्थियों में हासिल करने की कोशिश कर रहा है। हालाँकि, यह फिलिप्पियों 1, छंद 7 और 30 में माना जा सकता है, जहाँ वह फिलिप्पी में चर्च के बारे में लिखता है, जहाँ जेलर जैसे कई सदस्य संभवतः रोमन नागरिक थे।

वह उन्हें जवाब लिखता है और कहता है, आप जानते हैं, आप मेरे परीक्षण के परिणाम में भागीदार हैं। क्योंकि एक रोमन नागरिक के रूप में पॉल के साथ जो कुछ भी होता है वह अन्य रोमन नागरिकों के लिए एक मिसाल कायम करने वाला है। वह सम्राट के दरबार के सामने है।

यह एक मिसाल कायम करने जा रहा है, और इसलिए यह फिलिप्पी में भी उन्हें प्रभावित करेगा। इसलिए, पॉल पूरी तरह से चुप नहीं हो सकता है, लेकिन अगर वह चुप भी होता, तो यह ऐसी चीज़ नहीं है जिसके बारे में हम उससे अपने पत्रों में बात करने की उम्मीद करते। दूसरा, कुछ विद्वान जो दावे के बारे में संशय में हैं, कहते हैं, ठीक है, ल्यूक पॉल की उच्च स्थिति स्थापित करने की कोशिश कर रहा है।

ठीक है, हाँ, लेकिन सिर्फ इसलिए कि वह पॉल की उच्च स्थिति स्थापित करना चाहता है, यह साबित नहीं होता है कि वह ऐसा कर रहा है। वह इसे गढ़ने की कोशिश किए बिना इसे स्थापित करने की कोशिश कर सकता है। पॉल का फरीसीवाद यहूदी संदर्भ में भी उच्च दर्जा रखता है, और फिर भी फिलिप्पियों 3 में, श्लोक 5 में, पॉल स्वयं घोषणा करता है कि उसे एक फरीसी के रूप में प्रशिक्षित किया गया था।

खैर, उनका यह भी तर्क है कि नागरिकता नगरपालिका अभिजात वर्ग के लिए आरक्षित थी, और इसलिए यह यहूदियों के लिए बंद थी। यह तर्क साक्ष्यों को ग़लत ढंग से पढ़ता है, और यह साक्ष्यों को बहुत बुरी तरह ग़लत ढंग से पढ़ता है। इफिसस के शिलालेखों में हमारे पास 1173 रोमन नागरिक हैं।

यह नगरपालिका अभिजात वर्ग के लिए आरक्षित नहीं था, और गुलाम के रूप में मुक्त होने सहित नागरिकता प्राप्त करने के कई तरीके थे। रोम में हर साल हजारों गुलाम रोमन नागरिक बन जाते थे जबकि रोमन पूर्व में गैर-उपनिवेशों के अधिकारियों के लिए यह मुश्किल था। कुछ लोगों ने यह भी तर्क दिया है कि, जो यहूदी रोमन नागरिक हैं, उन्हें बुतपरस्त प्रथाओं में भाग लेना होगा, इसलिए पॉल रोमन नागरिक नहीं हो सकता था।

फिर, यह बिल्कुल झूठ है। रोमन यहूदी शिलालेखों में जोसेफस से पता चलता है कि यह झूठ है। फिलो दिखाता है कि रोम में यहूदी रोमन नागरिकों का एक पूरा समुदाय है।

इसलिए कभी-कभी जो लोग अधिनियमों पर संदेह करते हैं वे ऐसी जानकारी का उपयोग कर रहे हैं जो बस बनाई गई है। कभी-कभी जब उन्हें संदेह होता है तो यह बस यह दर्शाता है कि उन्होंने

उचित शोध नहीं किया है। पांचवां, पॉल ने शिलालेखों के विपरीत, अपने पत्र में कभी भी ट्रायनोमेना, रोमन नागरिक के तीन नामों का उपयोग नहीं किया।

खैर, केवल आधिकारिक दस्तावेज़ों के लिए ही इसकी आवश्यकता थी। शिलालेख सम्मान चाह रहे थे। पॉल नहीं था।

पूर्व में ग्रीक और रोमन नागरिकों ने अक्सर अपने नाम ग्रीक तरीके से रखे थे। रोम में 50 यहूदी रोमन नागरिक शिलालेखों में से, रोम में ही, यहूदी रोमन नागरिकों के लिए, उनमें से कोई भी ट्रायनोमेना का उपयोग नहीं करता है। वह शून्य प्रतिशत है।

इसके अलावा, यह शिलालेखों के लिए अपील करता है, अक्षर शिलालेख नहीं थे। प्लिनी, न केवल एक रोमन नागरिक है, वह सीनेटरियल वर्ग से संबंधित है। वह एक उच्च स्तरीय कुलीन रोमन नागरिक है।

अपने पत्रों में वह अपने केवल एक या दो नामों का ही प्रयोग करते हैं, तीन का कभी नहीं, प्रायः एक का। पत्राचार अक्सर अपने पत्रों में केवल एक का ही प्रयोग करते थे। यह आश्चर्य की बात नहीं है कि पॉल ऐसा करता है।

यहां पॉल के नागरिक होने के खिलाफ़ एक मजबूत तर्क दिया गया है। पॉल ने बताया कि उसे डंडों से पीटा गया। नागरिकों को डंडों से पीटने की अनुमति नहीं थी।

लेकिन ल्यूक, जो अपनी नागरिकता की रिपोर्ट करता है, ऐसी पिटाई की भी रिपोर्ट करता है। और ल्यूक को पता होगा कि नागरिकों को डंडों से नहीं पीटा जाना चाहिए। वास्तव में, वैरीज़ और अन्य गवर्नरों ने ज्ञात नागरिकों को उन स्थानों पर ऐसी पिटाई की, जहां वे इससे बच सकते थे।

फ्लोरस, जो यहूदिया का गवर्नर था, ने न केवल रोमन नागरिकों पर बल्कि घुड़सवारों पर भी इसका प्रहार किया। अर्थात्, रोमन शूरवीर वर्ग के लोगों पर, जब वह यहूदिया का गवर्नर था, तब कुछ गवर्नरों द्वारा साझा किया गया एक रैंक। तो, यह तर्क, हालांकि यह एक अच्छा तर्क है, यह पर्याप्त अच्छा तर्क नहीं है।

खैर, पिटाई से पहले नागरिकता का खुलासा क्यों नहीं किया गया? इससे अधिक खराब प्रचार के साथ मामला लंबा खिंच जाएगा, क्योंकि इन लोगों को वापस बोलने और कहने का अवसर मिलेगा, नहीं, नहीं, ये अभी भी विदेशी रीति-रिवाज हैं। अधिकारियों को टार्सस से प्रमाणीकरण की आवश्यकता हो सकती है, जिसके लिए लंबे समय की आवश्यकता होगी। अधिकारी अंततः उसके विरुद्ध निर्णय ले सकते हैं।

लेकिन अधिकारियों द्वारा कानून का उल्लंघन करने के बाद, पॉल के पास ऊपरी हाथ है। और यह भी हो सकता है कि इस प्रांतीय यहूदी को तब तक न्याय की उम्मीद नहीं थी जब तक कि उसने बाद में कोरिंथ में गैलियो के साथ इसका अनुभव नहीं किया, या जब तक फिलिप्पियन जेलर ने उसे सूचित नहीं किया कि, नहीं, फिलिप्पी इन चीजों को कुछ अन्य स्थानों की तुलना में अधिक गंभीरता से लेता है। खैर, पॉल की रोमन नागरिकता के पक्ष में क्या तर्क हैं, इस तथ्य के

अलावा कि ल्यूक ने इसका उल्लेख किया है और ल्यूक उसे जानता था, जो इसके पक्ष में एक तर्क होना चाहिए, लेकिन कुछ अन्य तर्क भी? उसका नाम इसका समर्थन करता है।

यह कोई ईसाई विशेष दलील नहीं है। यह फिट्ज़मेयर द्वारा तर्क दिया गया है, जो एक अच्छा कैथोलिक विद्वान है, लेकिन यह गैरेट लुडमैन द्वारा भी तर्क दिया गया है, जो नास्तिक न्यू टेस्टामेंट विद्वान है। इसलिए, नाम इसके पक्ष में है।

लगभग हमेशा, शिलालेखों में पॉलस एक उपनाम है। जब यह एक उपनाम था, पहला नाम था, तो आमतौर पर यह परिवार से पुनः उपयोग किया जाने वाला उपनाम था। लोग आम तौर पर अपने उपनाम के अनुसार चलते हैं, जैसा कि पॉल करता है।

यह एक सम्मानजनक रोमन नाम था। यह सुझाव देगा, लेकिन नागरिकता साबित नहीं करेगा, लेकिन यह इतना पर्याप्त था कि पूर्व में कई लोग रोमन नागरिकता ग्रहण कर लेंगे। पॉल को अपना रोमन नाम कहीं से मिला, और यह केवल यरूशलेम में सजावट के लिए नहीं था।

उस नाम का उपयोग करने वाले अधिकांश लोग, वास्तव में, रोमन नागरिक थे। दूसरे, केवल एक नागरिक ही सम्राट से अपील कर सकता था और फिर उसे रोम भेजा जा सकता था। खैर, पॉल के साथ ऐसा ही हुआ।

उनके पत्र इस बिंदु पर अधिनियमों का समर्थन करते हैं, हालाँकि उनके सभी पत्र उस समय से पहले या बाद के थे जब ऐसा हुआ था। यदि हम उन्हें एक साथ रखें, तो हमारे पास ऐसे सुराग हैं जो इसका सुझाव देते हैं। पॉल रोम जाना चाहता था।

पॉल को यहूदी विरोध की उम्मीद थी। वे दोनों रोमियों 15 में हैं। बाद में, शायद फिलिप्पियों 1 से, कम से कम जिस तरह से फिलिप्पियों की आमतौर पर व्याख्या की जाती है, उसके अनुसार, पॉल रोम में हिरासत में है।

खैर, पॉल रोमन हिरासत में कैसे आया? हमारे पास अन्य सबूत हैं कि पॉल रोम में था। खैर, वह रोम जाना चाहता था। उसे यहूदिया में परेशानी की आशंका थी, और फिर वह रोम पहुँच गया।

वह अपने दम पर यात्रा कर सकता था, लेकिन फिर भी वह रोम नहीं पहुँचा। वह अंततः रोमन हिरासत में पहुँच गया, जिसे जाहिर तौर पर रोम पहुँचने से पहले वह कहीं और ले गया था। इसके अलावा, ल्यूक ने शायद ही यहूदिया में आवश्यकता से पहले शुरू होने वाली लंबी रोमन हिरासत का आविष्कार किया होगा क्योंकि जंजीरों और रोमन हिरासत संस्कृति में शर्म की बात थी।

लोग आम तौर पर जंजीरों में बंधे लोगों या रोमन हिरासत में बंद लोगों से अलग होना चाहते थे। ल्यूक पॉल की रोमन हिरासत का आविष्कार नहीं करेगा, और ल्यूक आवश्यकता से पहले इसका आविष्कार नहीं करेगा। ल्यूक एक्ट्स की पूरी आखिरी तिमाही को किसी कल्पना पर आधारित नहीं करेगा क्योंकि एक्ट्स की आखिरी तिमाही का कोई मतलब नहीं है जब तक कि पॉल को यहूदिया में गिरफ्तार नहीं किया गया और फिर उसने रोम में अपील की, और इसीलिए उसे रोम भेजा गया है।

और याद रखें, यह अधिनियमों का सबसे विस्तृत भाग है। यह एक प्रत्यक्षदर्शी के साथ हम कथा का हिस्सा है। यह एक प्रमुख कारण है कि अधिकांश विद्वान मानते हैं, हाँ, पॉल संभवतः एक रोमन नागरिक था।

इसके अलावा, ल्यूक की अंतर्निहित जानकारी दावे पर फिट बैठती है। वह पहले मुक्त व्यक्तियों के आराधनालय के बारे में बोलता है, जिसमें सिलिसिया से मुक्त व्यक्ति शामिल हैं, जिसमें टार्सस भी शामिल होगा। और ल्यूक पॉल के लिए गुलाम पृष्ठभूमि का आविष्कार नहीं करना चाहेगा।

यदि वह पॉल के लिए पृष्ठभूमि का आविष्कार करने जा रहा है, तो यह एक स्वतंत्र व्यक्ति के रूप में नहीं होगा। ऐसा होगा, अरे, क्यों नहीं, यदि आप एक सम्मानजनक पृष्ठभूमि का आविष्कार करने जा रहे हैं, तो हो सकता है कि वह पश्चिमी वर्ग का हो, जेरूसलम में नगरपालिका अभिजात वर्ग के कुछ उच्च वर्ग के यहूदियों की तरह। ल्यूक दास पृष्ठभूमि का आविष्कार नहीं करेगा, और ल्यूक ने पॉल को आराधनालय के सदस्य के रूप में भी निर्दिष्ट नहीं किया है, भले ही यह संदर्भ से निहित प्रतीत होता है।

कुछ समर्थित तर्कों के अनुसार, पॉल रोमन नागरिकों तक इस तरह पहुंचने में सफल हुआ कि अधिकांश लोग ऐसा नहीं कर पाते यदि वे रोमन नागरिक नहीं होते। पॉल भी विशेष रूप से रोमन उपनिवेशों को निशाना बनाता है और अंततः गिरफ्तार होने से पहले ही रोम ही जाना चाहता है। पॉल का रोमन नाम.

मैंने इसके बारे में अधिनियम 3:9 में पहले ही बात की थी जब यह पहली बार घटित हुआ था, लेकिन यह शाऊल पर फिट बैठता है। दोहरे नाम बहुत आम थे. आप उन्हें पपीरी और शिलालेखों में पाते हैं।

ग्रीक भाषी यहूदियों के नाम अक्सर अरामी और ग्रीक होते थे, लेकिन रोमन नागरिक एक साइनम, एक रोमन नाम जोड़ सकते थे। अधिकांश, ठीक है, वास्तव में उसका रोमन नाम यह ट्रायनोमेना है। चिह्न संभवतः उसका नाम शाऊल है, लेकिन अधिकांश लोग इस बात से सहमत हैं कि पॉल का चिह्न शाऊल है।

नाम अक्सर अर्थ का अनुवाद करते हैं या समान ध्वनि होती है। ट्रायनोमेना, नोमेन वंशानुगत वंश का नाम था। उपनाम, जो मूल रूप से कबीले में विशिष्ट नाम था, उनमें से लगभग 30 का उपयोग किया जाता है।

इससे पहले, मुझे लगता है कि मैंने उल्लेख किया था कि सेनेका द एल्डर ने कहा था कि वह 2,000 नामों को ठीक उसी क्रम में दोहरा सकता है जिस क्रम में उसने उन्हें सुना था। खैर, उनके पास काम करने के लिए सीमित संख्या में नाम हो सकते हैं, लेकिन वैसे भी, गणतंत्र के अंत तक, इनमें से केवल आधे का ही उपयोग किया गया था। उन्होंने लोगों को अलग करने में बहुत अच्छा काम नहीं किया क्योंकि आपके पास एक ही नाम के बहुत सारे लोग थे।

इसलिए प्रारंभिक साम्राज्य में दिवंगत गणतंत्र द्वारा उपनाम नया विशिष्ट नाम बन गया। पॉल प्रारंभिक साम्राज्य में रहता है। उपनाम की शुरुआत एक उपनाम के रूप में हुई, लेकिन साम्राज्य में, यह प्राथमिक पहचान वाला नाम था।

अक्सर आपका नाम आपके पिता या आपके पूर्वजों के नाम पर रखा जा सकता है। पॉल आमतौर पर एक उपनाम था और आमतौर पर केवल रोमन नागरिकों द्वारा उपयोग किया जाता था। खैर, पॉल के श्रोता, ये मजिस्ट्रेट, पॉल जो कहते हैं उस पर कैसी प्रतिक्रिया करते हैं? 1638, सिसरो और क्विंटिलियन हमें बताते हैं कि एक रोमन नागरिक ने कोड़े के दौरान चिल्लाया कि वह एक नागरिक था और इस तरह उसने अपने उत्पीड़कों को अपमानित किया।

पिटार्ड के बाद उन्हें सूचित करने तक प्रतीक्षा करके, पॉल और सीलास ने मजिस्ट्रेटों को एक अजीब कानूनी स्थिति में डाल दिया। पॉल ऐसा कुछ बाद में करता है जब उसे जंजीरों में डाल दिया जाता है जब उसकी पिटार्ड के साथ पूछताछ की जाने वाली होती है, लेकिन वह एक अलग तरह की पिटार्ड थी। यह एक ज़बरदस्ती थी जिससे उसकी मृत्यु हो सकती थी, और आपको यह भी ध्यान में रखना होगा कि पॉल तब थोड़ा बड़ा था।

और जैसे-जैसे हम बड़े होते जाते हैं, कभी-कभी पिटार्ड का असर हमारी जवानी की तुलना में अधिक गंभीर हो सकता है। किसी भी मामले में, अब मजिस्ट्रेट, न कि ये प्रेरित, न ही ये मिशनरी, बातचीत करने के लिए मजबूर हैं। वैसे, प्रेरित शब्द का प्रयोग, ल्यूक आमतौर पर केवल बारह के लिए करता है।

अधिनियम 14 में, वह एक अपवाद बनाता है, और इसे बरनबास और पॉल पर भी लागू करता है। लेकिन आमतौर पर, वह पॉल को प्रेरित भी नहीं कहता है। वह आमतौर पर इसे बारह पर लागू करना पसंद करते हैं।

पॉल अपने लेखन में शीर्षक का अधिक व्यापक रूप से उपयोग करता है और इसे अन्य लोगों पर लागू करता है जो उस तरह का मिशनरी कार्य कर रहे हैं जो वह कर रहा है, या अन्य प्रकार की अभूतपूर्व मूलभूत चीजें जो वह कर रहा है। इसलिए, वह बातचीत करने के लिए मजबूर है। वे मजिस्ट्रेट, बातचीत करने के लिए मजबूर हैं।

यदि कानून लागू किया जाता है, तो उनके कृत्य की रिपोर्ट उन्हें पद से अयोग्य भी ठहरा सकती है। और सिद्धांत रूप में, हालांकि व्यवहार में इसकी बहुत अधिक संभावना नहीं है, फ़िलिपी को रोमन उपनिवेश या ऐसा कुछ के रूप में उसकी स्थिति से वंचित किया जा सकता है। तो पॉल और सिलास इसे क्यों लाते हैं? जब यीशु कहते हैं, दूसरा गाल आगे कर दो, इसकी चिंता मत करो, तो उन्हें अपने सम्मान की चिंता क्यों है? उन्हें नवोदित ईसाई समुदाय की भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद करने की ज़रूरत थी, और इससे उन्हें कम से कम कुछ हद तक बेहतर स्थिति में रखा जा सकेगा।

हालाँकि फिलिप्पियों से हमें पता चलता है कि चर्च में अभी भी कुछ समस्याएँ थीं, लेकिन हो सकता है कि उन्होंने समस्या को कुछ हद तक कम कर दिया हो। वहाँ ईसाइयों के लिए उत्पीड़न उतना मजबूत नहीं रहा होगा जितना थिस्सलुनीके में था। किसी भी मामले में, निश्चित रूप से,

उनके पास लिडिया जैसे कुछ साधन संपन्न लोग भी थे, और जेलर जैसे कुछ रुतबे वाले लोग भी रहे होंगे।

श्लोक 39 और 40। मजिस्ट्रेटों के पास उन्हें पीटने का कोई कानूनी अधिकार नहीं था, लेकिन उनके पास बिना मुकदमे के रोमन नागरिकों को निष्कासित करने का भी कोई कानूनी अधिकार नहीं था। लेकिन मुकदमे से उनके स्वयं के कानून के उल्लंघन का मामला सामने आएगा।

इसलिए, वे याचना करने पर मजबूर हो गए हैं। खैर, ल्यूक को सकारात्मक परिणाम पसंद हैं। हम ल्यूक के कृत्यों में बहुत कुछ देखते हैं, बहुत कठिन चीजों के बाद भी।

हो सकता है कि वह इस पर सबसे अच्छा चेहरा रख रहा हो, लेकिन फिर भी, उन्हें निष्कासित कर दिया गया है और वे अभी भी निस्संदेह उनकी पिटाई से दर्द में हैं। तो, इसके बाद, वे बहुत लंबी सैर पर जा रहे हैं। वे वापस जाते हैं और सबसे पहले लिडिया और अन्य लोगों का अभिवादन करते हैं।

वे सीधे नहीं जाते हैं, लेकिन अधिकारियों को उन्हें बाहर ले जाना पड़ता है ताकि कम से कम कुछ लोग गवाह बन सकें, उनकी शर्म कम हो गई है क्योंकि अधिकारियों को खुद को अपमानित करना पड़ा है, और खुद को विनम्र करना पड़ा है, भले ही वे नहीं जाते हैं सार्वजनिक रूप से बाजार में आते हैं और कहते हैं कि हम गलत थे। बहुत लंबी सैर के बाद वे जिस अगली जगह पर जाने वाले हैं, वहां उन्हें अध्याय 17, श्लोक 1 से 9 में थिस्सलुनीके में उथल-पुथल का सामना करना पड़ेगा। वैसे, इनमें से कई साइटों पर, हमारे पास वास्तव में अच्छी पृष्ठभूमि है। किया गया। फ़िलिपी पर बहुत सारी अच्छी पृष्ठभूमि बनाई गई है।

केल्विन कॉलेज में जेफरी वाइमा ने अपनी थिस्सलुनीकियों की टिप्पणी में वास्तव में अच्छा काम किया है और अन्य थिस्सलुनिकियों की टिप्पणियों ने भी अच्छा काम किया है। कई अन्य विद्वानों ने थिस्सलुनीके पर ही लिखा है। तो, डोनफ्राइड, ज्वेट और अन्य लोगों ने थिस्सलुनीके और इन अन्य स्थानों पर बहुत सारी जानकारी प्रदान की है।

खैर, 17:1 में, हमने थिस्सलुनीके की उनकी यात्रा के बारे में पढ़ा और इसे बहुत जल्दी संक्षेप में प्रस्तुत किया गया है, लेकिन यह आवश्यक रूप से बहुत जल्दी नहीं हुआ। अपनी दर्दनाक पीठ के साथ वहां पहुंचने में उन्हें कुछ दिन लग गए। वे वाया इग्राटिया के साथ यात्रा करेंगे, जो फिलिप्पी से होकर बाल्कन के पश्चिमी तट तक जाती है, जहाँ से वे इटली जा सकते हैं।

वे तीन अलग-अलग शहरों में आते हैं जिनका उल्लेख अधिनियम 17.1 में किया गया है। पहला स्ट्रीमॉन पर एम्फीपोलिस है। यह एक नदी है जिसका मैंने पहले उल्लेख किया था जिसकी एक सहायक नदी गंगाइट्स थी। एम्फीपोलिस फिलिप्पी से 33 मील या 50 किलोमीटर से अधिक दूर था।

संभवतः अपने घावों के कारण, वे एक दिन में बिल्कुल भी नहीं चले, हालाँकि हम नहीं जानते। यह एक दिन में कवर करने के लिए बहुत कुछ है। तुम्हें बहुत तेज़ चलना होगा।

20 मील अधिक सामान्य था। तो, शायद वे रात भर कहीं रुके होंगे। अपोलोनिया एम्फीपोलिस से एक दिन की यात्रा पर था।

यह 27 मील या कोई 40 किलोमीटर आगे था। थिस्सलुनीके 35 मील या 55 किलोमीटर आगे था। तो, श्लोक 1 में, हमारे पास कई दिनों का सारांश है और ल्यूक को हर चीज़ को पूरा करने के लिए बहुत कुछ को संक्षेप में प्रस्तुत करना है, यहां तक कि मैं हर चीज़ को पाने के लिए कितनी जल्दी बात करता हूं उससे भी अधिक।

वाया इग्राटिया आगे पश्चिम में बाल्कन के पश्चिमी छोर पर इलीरिकम तक जारी रही। एक्ट्स यहां रिपोर्ट करता है कि पॉल इस सड़क से बेरिया की ओर दक्षिण की ओर मुड़ता है। हम जानते हैं कि पॉल ने बाद में इलीरिकम का दौरा किया था।

इसका उल्लेख रोमियों 15.19 में किया गया है, लेकिन यह संभवतः बहुत शीघ्रता से सारांशित यात्रा पर था जो आपके पास अधिनियम 20:1-3 में है। तो, शायद इस बिंदु पर नहीं, लेकिन शायद बाद में उन्होंने वहां की यात्रा की। सड़कें। रोमन सड़कें आम तौर पर 20 फीट या 6 मीटर से अधिक चौड़ी नहीं होती थीं, जो आधुनिक शहरी मानकों के अनुसार बहुत चौड़ी नहीं है, खासकर अब जब इतने सारे लोगों के पास कारें हैं और ट्रैफिक जाम वगैरह है।

लेकिन वे सड़कें 1850 तक अधिकांश यूरोपीय सड़कों की तुलना में बेहतर और सुरक्षित थीं। इसलिए, किसी भी स्थिति में उन पर चलने का यह एक संभावित समय था। थिस्सलुनीके।

वे थिस्सलुनीके पहुँचे। यह मैसेडोनिया का सबसे बड़ा बंदरगाह था, यहां से फैलने वाली अच्छी खबरों के लिए एक बहुत ही रणनीतिक स्थान था। यह मैसेडोनिया के पुराने दूसरे जिले की राजधानी थी, लेकिन अब और अधिक महत्वपूर्ण यह है कि यह प्रांतीय गवर्नर का निवास है।

राज्यपाल इस कथा में शामिल नहीं हैं। यह एक स्थानीय मुद्दा है। राज्यपाल को भी शायद इसकी जानकारी नहीं होगी।

लेकिन थिस्सलुनीके में लगभग 200,000 निवासी थे। तो, यह निश्चित रूप से प्राचीन मानकों के अनुसार एक प्रमुख शहर था। आराधनालय, जहां वे अध्याय 17, श्लोक 2 में सेवा कर रहे हैं। खैर, थिस्सलुनीके में बहुत सारे गैर-ग्रीक पंथ या धर्म थे।

यहूदी धर्म प्रमाणित है, पुरातात्विक रूप से अधिक स्पष्ट रूप से प्रमाणित है। सेरापिस और आइसिस के पंथ, मिस्र के पंथ थे। कुछ ऐसा जो ग्रीक था, लेकिन वह सैमोथ्रेस द्वीप, किबेरी के रहस्यों से था।

ये सभी थेस्सालोनिका में पाए जाते हैं। कहा जाता है कि पॉल ने वहां आराधनालय में सेवा करते हुए तीन सप्ताह बिताए थे। सामान्य तौर पर उन्होंने थिस्सलुनीके में सेवा करते हुए संभवतः अधिक समय बिताया, क्योंकि उन्हें फिलिप्पी, फिलिप्पियों 4, 15 और 16 से समर्थन प्राप्त हुआ था, जो आपको याद हो सकता है यदि आप कुछ अन्य संख्याओं को जोड़ते हैं।

यह लगभग 95 मील या 145 किलोमीटर दूर है। इसलिए, वह शायद कुछ देर के लिए वहां रुके। बात फिलिप्पी को वापस मिल गई।

उन्होंने उसे कुछ धनराशि भेजी। आप हमारे साथ नहीं रह सकते, लेकिन पॉल जो कर रहा था उसमें हम मदद करना चाहते हैं। इसलिए, उन्होंने उसे कुछ धनराशि भेजी।

1 थिस्सलुनिकियों 2.9 के अनुसार, तब तक वह शारीरिक श्रम कर रहा था। इससे पता चलता है कि वह शायद कुछ देर के लिए वहां था। इसमें तीन सप्ताह का समय लग सकता था, लेकिन अधिकांश विद्वानों का मानना है कि यह उससे भी अधिक समय था। खैर, आराधनालय में चीज़ें बहुत अच्छी नहीं रहीं।

अगले आराधनालय में वह पहुंचा, लोग धर्मग्रंथों की खोज करने के लिए उत्सुक थे। वे यह देखने के लिए खुले दिमाग वाले थे कि धर्मग्रंथ वास्तव में क्या कहते हैं। लेकिन थिस्सलुनीके में, वे उस चीज़ का बचाव करने में अधिक रुचि रखते थे जिस पर वे पहले से ही विश्वास करते थे।

आज हमारे पास ऐसे लोग हैं। 17:4. मैसेडोनियाई महिलाओं ने पहले अपने प्रभाव के लिए प्रतिष्ठा हासिल की थी। सिकंदर की माँ, ओलंपियास, विशेष रूप से अपनी शक्ति के लिए जानी जाती थी।

और लोग ओलंपियास से वापस बात नहीं करना चाहते थे। उच्च वर्ग की महिलाएँ किसी चर्च या आराधनालय में संरक्षक बन सकती हैं। उनकी उच्चवर्गीय स्थिति और उनके दान ने उन्हें बहुत लोकप्रिय बना दिया।

और इससे उन्हें समाज में व्यापक स्तर पर उपलब्ध प्रतिष्ठा से भी ऊँचा दर्जा मिला। तो, आपके पास इस प्रकार की सेटिंग में बहुत सारी उच्च वर्ग की महिलाएँ शामिल थीं। महिलाओं का खतना नहीं होता था, इसलिए उनके लिए धर्म परिवर्तन करना आसान था।

तो, आपके पास पॉल और सीलास और तीमुथियुस हैं, और फिलिप्पी के बाद ल्यूक अब उनके साथ नहीं है, जो कई प्रकार के धर्मान्तरण जीत रहा है। परन्तु जो लोग आराधनालय में उनके विरोधी थे, उन्होंने कुछ उपद्रव खड़ा करने का निश्चय किया। संभवतः इसी कारण से पॉल, 1 थिस्सलुनिकियों 2 में, बताता है कि कैसे उसके अपने देश के लोगों, यहूदियों ने, यीशु में विश्वास करने वालों को, जो यहूदिया में थे, सताया।

वैसे, कुछ लोगों ने कहा है कि यह बाद का संस्करण है, लेकिन यह सुविधा का कार्य है क्योंकि वे स्पष्ट रूप से नहीं चाहते कि यह पाठ में हो। इसे बाहर किए जाने का कोई पाठ्य साक्ष्य नहीं है। तो, किसी भी मामले में, पॉल को फिलिप्पी और थिस्सलुनीके में कुछ सफलता मिली, लेकिन दोनों जगहों पर उसे विरोध का सामना करना पड़ा।

और जो कुछ उन्होंने उभारा वह वे थे जिन्हें आमतौर पर प्राचीन साहित्य में बहुत अधिक नहीं देखा जाता। भीड़ को भड़काने वाले डेमोगॉग को बहुत हीन दृष्टि से देखा जाता था, लेकिन उन्होंने बाजार में निष्क्रिय, बेरोजगार लोगों को भड़काया। अब, बेरोजगार होना हमेशा किसी की गलती

नहीं है, लेकिन हम अधिनियम 3 में विकलांग व्यक्ति के साथ ऐसा देखते हैं। कभी-कभी लोगों को नौकरी नहीं मिल पाती है।

थिस्सलुनीके में यह एक समस्या थी। 1 थिस्सलुनीकियों 4:11 और 2 थिस्सलुनीकियों 3, पॉल उनसे काम करने का आग्रह करता है। लेकिन हाँ, आपको उन लोगों की मदद करनी चाहिए जो काम नहीं कर सकते या जिनके पास कुछ उपलब्ध नहीं है।

लेकिन इस मामले में, वे बस बाज़ार में निष्क्रिय पड़े हुए थे। यह कई शहरों में एक समस्या थी, लेकिन यह थिस्सलुनीके में भी एक समस्या थी जिसके बारे में हमने 1 और 2 थिस्सलुनीकियों में भी पढ़ा था। जैसा कि अन्य प्राचीन उदाहरण प्रमाणित करते हैं, उन्हें भीड़ की कार्रवाई के लिए उकसाया जा सकता है।

थिस्सलुनीके में यहूदी निवासी एक छोटे से अल्पसंख्यक थे, इसलिए उन्हें पॉल का विरोध करने के लिए कुछ मदद की ज़रूरत थी। खैर, यह भीड़ उत्तेजित है और कहती है कि वह डेमो, लोगों, नागरिक निकाय के सामने आती है। खैर, थिस्सलुनीके के बारे में हम जो जानते हैं, वह सटीक रूप से फिट बैठता है क्योंकि फिलिप्पी के विपरीत थिस्सलुनीके एक रोमन उपनिवेश नहीं था।

हालाँकि यह एक बड़ा शहर था, और इसे एक स्वतंत्र शहर कहा जाता था, जिसका अर्थ है कि उन्हें अभी भी रोम का पालन करना था, लेकिन उनका शहर अपनी नीतियां खुद बना सकता था। स्थानीय स्तर पर उनके अपने शहर में अपने शासक थे, हालाँकि रोमन गवर्नर भी वहाँ रहते थे। यह एक आज़ाद शहर था।

उनके पास एक एकत्रित नागरिक निकाय, डेमो था, जो न्यायिक रूप से कार्य करता था। और उनके पास अधिकारी भी थे जिन्हें पॉलिटार्क कहा जाता था। यह दिलचस्प है, आप जानते हैं, रोमन साम्राज्य के विभिन्न शहरों या विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न अधिकारियों को क्या कहा जाता था, इसकी कोई सूची नहीं थी, लेकिन ल्यूक को यह अधिकार मिलता है जैसे उसे हमेशा स्थानीय अधिकारियों का अधिकार मिलता है, स्ट्रैटागोई, और अब पॉलीटार्क।

मैसेडोनिया, विशेषकर थिस्सलुनीके में अधिकारियों के लिए पॉलीटार्क एक सामान्य नाम था। तो, इससे पॉल परेशानी में पड़ जाएगा, लेकिन वे पॉल तक नहीं पहुंच पाए क्योंकि वे उसे इस बिंदु पर नहीं ढूँढ सकते। इसलिए, वे उसके मेज़बान को खींच लेते हैं।

वे जानते हैं कि वह कहां रहता है। उनका मेज़बान संभवतः कोई यहूदी ईसाई था जिसने अपने घर में उनका स्वागत किया। मुझे खेद है, एक यहूदी व्यक्ति जिसने अपने घर में उनका स्वागत किया और संभवतः यीशु में यहूदी विश्वासी बन गया।

लेकिन श्लोक 6 में, जेसन एक सामान्य यूनानी नाम था, लेकिन इसका उपयोग आमतौर पर हेलेनिस्टिक यहूदियों के बीच भी किया जाता था। आपके पास थिस्सलुनीके का जेसन है, जिसे थिस्सलुनीके के साथ भ्रमित नहीं होना चाहिए, अर्गोनाटिका और उससे भी पहले से चली आ रही परंपराओं में। जेसन एक सामान्य ग्रीक नाम था, लेकिन यह अक्सर यहूदियों द्वारा भी रखा जाता था।

संभवतः यह एक यहूदी मेज़बान है जिसके साथ वे वहां काम करते समय रुके थे क्योंकि आम तौर पर आप यही खोजने की कोशिश करेंगे। इसके अलावा, रोमन और यहां तक कि कई अधिकारी भी, आजमाने के लिए चीज़ों की तलाश में नहीं निकले। रोमन प्रशासन के पास इतना बड़ा धन नहीं था, वे इस तरह की चीज़ों पर अपना बजट बर्बाद करना पसंद नहीं करते थे।

स्थानीय लोग ही उन पर आरोप लगाने वाले थे। इस मामले में, वे थिस्सलुनीके के अपने पॉलीटार्क्स के सामने उन पर आरोप लगाने जा रहे हैं। यह एक स्थानीय मुद्दा है।

डेलेटोरियस और डेलेटोरियस आरोप लगाने वाले थे। रोमन कानून के तहत, किसी को किसी मामले पर मुकदमा चलाने की आवश्यकता होती है। तो, आप आरोप लगाने वालों द्वारा मामले को सामने लाने की प्रतीक्षा करेंगे और यहाँ वही होता है।

और वे पॉल पर दूसरे राजा की घोषणा करने का आरोप लगाते हैं। खैर, वह मसीहा की घोषणा कर रहा है, पद तीन। तकनीकी रूप से, हाँ, मसीहा एक और राजा है।

पॉल सम्राट से राजनीतिक प्रतिस्पर्धा की बात नहीं कर रहा है, कम से कम जब तक यीशु वापस नहीं आता है और तब यह बहुत अधिक प्रतिस्पर्धा नहीं होगी। लेकिन इसे देशद्रोह माना गया। किसी अन्य को राजा घोषित करना सम्राट की महिमा के विरुद्ध देशद्रोह माना जाता था।

इसलिए, जब आप इसे इन शब्दों में रखते हैं, तो यह एक समस्या हो सकती है। एक नए शासक के आने के संकेत में वर्तमान सम्राट के निधन की भविष्यवाणियाँ भी निहित थीं। शाही आदेशों का उल्लंघन करने के कारण कभी-कभी ज्योतिषियों को रोम से निर्वासित कर दिया जाता था।

आप जानते हैं, एक धूमकेतु प्रकट होता है और वे कहते हैं, ओह, इसका मतलब है एक नया शासक। रोम से बाहर निकलो। आपका यहां स्वागत नहीं है।

हम नहीं चाहते कि लोग समस्याएँ फैलाएँ। नये शासक की तलाश कर रहे लोगों को तैयार करना। ठीक है, आपने 1 और 2 थिस्सलुनिकियों को पढ़ा और पॉल उन चीज़ों के बारे में बात करता है जिनके बारे में वह उन्हें सिखा रहा था।

उनमें से कुछ चीज़ें यीशु के आगमन और यीशु के आने के संकेतों से संबंधित हैं। इसलिए, यह आश्चर्य की बात नहीं है कि कुछ लोग उसके शब्दों को तोड़-मरोड़ कर पेश करेंगे और कहेंगे, वह दूसरे राजा की घोषणा कर रहा है, यहाँ तक कि यीशु की भी। आखिर यीशु को किस आरोप में सूली पर चढ़ाया गया था? यहूदियों का राजा होने का दावा करने के आरोप में उसे सूली पर चढ़ा दिया गया था।

उसे देशद्रोह के आरोप में सूली पर चढ़ाया गया था। ल्यूक 22 और 23, विशेष रूप से ल्यूक 23, पीलातुस के सामने यीशु पर सीज़र को कर देने से मना करने का आरोप लगाया गया है, भले ही उसने ऐसा करने से मना नहीं किया था। हम इसे स्पष्ट रूप से ल्यूक 20 में और राजा होने का दावा करने के बारे में जानते हैं।

नागरिकों को सीज़र के प्रति वफादारी की प्रतिज्ञा करनी थी और देशद्रोह के किसी भी कृत्य की रिपोर्ट करनी थी। खैर, आप कल्पना कर सकते हैं कि यह कैसे एक भीड़ को भड़का देगा और साम्राज्य के सदस्यों के रूप में हर किसी की देशभक्ति, एक तरह की राष्ट्रवादी वफादारी को भड़का देगा। सुसमाचार के विरोधियों ने यहां अध्याय 17, श्लोक 18 में स्टौइक और एपिकुरियंस से कम गलत नहीं समझा है, जब उन्हें लगता है कि पॉल अजीब देवताओं का प्रचार कर रहा है।

जब हम वहां पहुंचेंगे तो हम इसके बारे में और बात करेंगे। श्लोक 8 में, हमारे पास बहुपत्नी हैं। इसके अलावा, वे पद 6 में थे, जो थिस्सलुनीके के शहर के अधिकारियों के लिए सटीक पदनाम था।

शीर्षक वस्तुतः मैसेडोनिया तक ही सीमित है। रोम ने उन्हें शहर चलाने की आज्ञा दी, हालाँकि अंततः उन्हें किसी भी अनुचित कार्रवाई के लिए रोम को जवाब देना होगा क्योंकि पूर्वी भूमध्य सागर में स्थानीय अधिकारी सीज़र के प्रति वफादारी लागू करने के लिए जिम्मेदार थे। श्लोक 9 में, उनके मेजबान, श्लोक 6, जेसन को उनके कार्यों के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है।

इसका मतलब यह है कि उसे उनके लिए बांड भरना होगा जैसे कि वे उसके घर के सदस्य हों। अब, जहाँ तक रोमन अदालतों की बात है तो जुर्माना काफी कम दंड था, और उपद्रवियों को कम करने के लिए बंधन असामान्य नहीं था। पद 7 में आरोप को देखते हुए, क्या पॉल स्वयं पकड़ा गया था? भीड़ के सामने, पॉलीटार्क के अधिकारियों ने कभी-कभी न्याय के बजाय राजनीति को चुना।

हो सकता है कि पॉल को फाँसी दे दी गई हो, लेकिन इसके लिए उसे रोमन गवर्नर को सौंपना होगा, और शायद वह इससे बाहर निकल सकता था। लेकिन किसी भी मामले में, यह एक बहुत ही गंभीर आरोप था, और यह आश्चर्य की बात नहीं है कि उसे विश्वासियों द्वारा शहर से दूर भेज दिया गया है। पॉल शायद बोलना चाहता हो, लेकिन नहीं, यह खतरनाक है।

यह फिलिप्पी की तरह पिटाई नहीं है। यह बहुत ही गंभीर आरोप है। लेकिन पॉलीटार्क्स ने शायद इसे बहुत गंभीरता से नहीं लिया क्योंकि जुर्माना बहुत कम है।

साथ ही, पॉलीटार्क्स का निर्णय उनके कार्यालय छोड़ने तक कायम रहेगा। इसलिए, जेसन और अन्य विश्वासियों की खातिर, उन्होंने अभी तक वापस आने की हिम्मत नहीं की है। पॉल को अपने साथियों को यह पता लगाने के लिए भेजना होगा कि वहां क्या हो रहा है।

और 1 थिस्सलुनीकियों 2.18 में, जब वह कहता है, हम वापस आना चाहते थे, परन्तु शैतान ने हमें रोक दिया। उनके पद छोड़ने तक शैतान की बाधा का डिक्री से कुछ लेना-देना हो सकता है। लेकिन अगले शहर में उसे बेहतर प्रतिक्रिया मिलेगी, कम से कम कुछ समय के लिए जब तक कि थिस्सलुनीके के कुछ लोग उसका पीछा नहीं करते।

वह घिसे-पिटे रास्ते से हटने वाला है. वह वाया एग्नेशिया का अनुसरण नहीं करने जा रहा है, ठीक वैसे ही जैसे पहले वह वाया सेबस्ट से उतरा और डर्बे चला गया, लेकिन फिर भी वे उसे ढूंढने जा रहे हैं।

यह एक्ट्स की पुस्तक पर अपने शिक्षण में डॉ. क्रेग कीनर हैं। यह सत्र 17, अधिनियम अध्याय 16 और 17 है।